Nai Dunia (Indore), 22nd August 2016, Nai Dunia Live

आई5 समिट में तीन स्टार्टअप को मिले 1 करोड़ 30 लाख

आईआईएम के विद्यार्थियों को मिला 'लॉण्ड्री सर्विस' के लिए 30 लाख रुपए का निवेश

इंदौर। लाइव रिपोर्टर

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में हुई आई5 समिट में तीन स्टार्टअप को 1 करोड़ 30 लाख रुपए का निवेश मिला। आईआईएम के स्टूडेंटस कैंपस में लॉन्ड्री फेसिलिटी उपलब्ध करवाते हैं, उनके स्टार्टअप को 30 लाख रुपए का निवेश प्राप्त हुआ है।

शनिवार को आईआईएम व आईआईटी की आई5 समिट की शुरुआत गेट फॉडिंग इवेंट से हुई। कुल 14 टीमों ने फंड जुटाने के लिए अपना आइडिया निवेशकों के सामने प्रस्तुत किया। फंड पाने वाले तीन स्टार्टअप्स में से दो आईआईएम इंदौर के ही थे। एक स्टार्टअप दिल्ली बेस्ड है, जिसे 50 लाख रुपए का निवेश प्राप्त हुआ है। पिछले साल चार स्टार्टअप को फंडिंग ऑफर हुई थी। इनमें से तीन से फंड लिया गया था। समिट के आखिर में हायपरलूप के सीओओ बिबोप ग्रेस्टा ने कहा कि प्रदूषण की समस्या बड़े पैमाने पर सभी देशों में फैल रही है। पवनचक्की, सोलर पैनल के जरिए इस स्थिति को सुधारने की कोशिश की जा रही है।

मोबाइल कॉमर्स कंज्यूमर की जरुरत का नतीजा

मोबाइल वॉलेट पेमेंट को लेकर हुए पैनल डिस्कशन में विशेषज्ञों ने कहा कि मोबाइल कॉमर्स कंज्यूमर की जरूरतों का नतीजा है। जब लोग उपयोग का पैटर्न बदलते हैं तब कॉमर्स भी बदल जाता है। इसीलिए पेटीएम जैसे ऑफलाइन ट्रांजेक्शन का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। पैनल डिस्कशन में अजीत खुराना एडवाइजर कलारी कैपिटल, समर सिंगला आदि शामिल थे।

फंडिंग के बारे में बताते दिल्ली के युवा डॉ प्रियांक त्यागी, डॉ गौतम सेठी व डॉ सुवेश त्यागी।

फंड पाने वाले तीनों स्टार्टअप का ये है कॉन्सेप्ट

स्टार्टअप- मेडमोनक्स
फंड- 50 लाख
इलाज से लेकर आने-जाने तक की सुविधा
कौन सा हॉस्पिटल भारत में सबसे अच्छा है। किस बीमारी का कहां इलाज होता है। डॉक्टर कौन अच्छा है। कम खर्च में काम कहां होगा। ऐसे सवालों के जवाब देता है दिल्ली के युवा डॉ प्रियांक त्यागी, डॉ. गौतम सेठी व डॉ. सुवेश त्यागी का स्टार्टअप। विदेश से आने वाले मरीज की टिकट बुकिंग से लेकर हॉस्पिटल में अपॉइंटमेंट तक की पूरी जिम्मेदारी इनकी होती हैं। देशभर के 400 से ज्यादा हॉस्पिटल के साथ टाईअप है। एक साल पहले स्टार्टअप लांच किया।

स्टार्टअप- क्राउडिंग
फंड- 50 लाख
कॉम्पीटिशन से चुनेंगे बेस्ट
आईआईएम इंदौर के स्टूडेंट कनिष ने आउट सोर्सिंग को लेकर स्टार्टअप लांच करने का आइडिया दिया। इनका स्टार्टअप कंपनियों को सर्विस प्रोवाइड करेगा। कंपनी से जो काम मिलेगा, उसे टीमों में बांटा जाएगा। कॉम्पीटिशन से बेस्ट टीम के काम का चुनाव करेंगे। संबंधित टीम को कैश प्राइज मिलेगा। बेस्ट वर्क को इम्प्रूव करके संबंधित कंपनी को डिलेवर किया जाएगा।

स्टार्टअप- एक्सप्रेस लाउंडरोमेट
फंड- 30 लाख
कैंपस में ही लॉन्ड्री की सुविधा
आईआईएम के स्टूडेंट अभिजीत मिश्रा व उनकी टीम कैंपस में ही लॉन्ड्री सुविधा उपलब्ध करवा रही है। ट्रांसपोर्ट खर्च नहीं लगता। इस कारण कम लागत में लॉन्ड्री के माध्यम से कपड़े धोकर दे रहे हैं। देशभर के आईआईएम, आईआईटी में चेन बनाना चाहते हैं। एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के बाद हॉस्पिटल में सुविधा शुरू करेंगे। उनका कहना है कि कैंपस में रहने वाले विद्यार्थी छोटी-छोटी रोजमर्रा की सुविधाएं चाहते हैं।

कुछ ऐसे आइडियाज भी आए...

- आईआईटी खड़गपुर के छात्र मोहम्मद शाहरुख शेख 'अर्बन कुकून' के नाम से स्टार्टअप संचालित कर रहे हैं। इनका स्टार्टअप अफोर्डेबल प्राइज में घर उपलब्ध करवाता है। खरीदार ऑनलाइन घर की डिजाइन चुन सकते हैं। ऐसा डिजाइन तैयार किया जाता है जिसमें फर्नीचर की जरुरत न के बराबर होती है।
- इंदौर के सौरव मंत्री 'लोड मी डॉटकॉम' के जरिए लोडिंग उपलब्ध करवाते हैं। जिस तरह एक कॉल पर ओला, जुगनू आ रही हैं, वैसे ही यह लोडिंग की सुविधा उपलब्ध करवा रहे हैं। 6 महीने पहले स्टार्टअप लांच कर चुके हैं।
- अक्सर जिम में पैसे भर देते हैं लेकिन रोजाना जा नहीं पाते। इसी का तोड है आईआईएम के पूर्व स्टूडेंट मोहम्मद शाबाश का स्टार्टअप। एक्सरसाइज के लिए आप एक सेशन भी बुक कर सकते हैं। 49 रुपए सेशन बुक करने के लिए न्यूनतम राशि है।

वर्कशॉप और पैनल डिस्कशन

वर्कशॉप में बैंगलुरु से आए के. वेथीश्वरन ने कहा कि ई-कॉमर्स सबसे सस्ता है। 10 हजार मासिक किराए पर वेबसाइट शुरू की जा सकती है। स्टार्टअप की समस्या का इनोवेटिव सॉल्यूशन बताने पर प्रदयुन महरोत्रा, मासूम सचदेव 'एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर' के अवॉर्ड से सम्मानित हुए।